मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 27 फरवरी 2017

आदिवासियों की पहचान और ज़ुबान बचाने पर जेएमआई में सम्मेलन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आज आदिवासियों की समस्याओं के बारे दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें आदिवासियों की पहचान और ज़ुबान के संरक्षण पर खास ज़ोर दिया गया।

आईसीएसएसआर प्रायोजित इस राष्टीय सम्मेलन का विषय है '' संक्रमणकाल में आदिवासी : खास पहचान बचाने की पुष्टि '' ।

इस सम्मेलन में जेएनयू के एमेरिटस प्रो टी के ओमेन ने अपने अतिथितीय संबोधन में कहा कि भारत में ऐसे बेशुमार आदिवासी कबीले हैं जिनकी अपनी अलग अलग परंपरा, ज़ुबान और संस्कृति है लेकिन यह खतरा यह है कि यह धीरे धीरे खत्म हो रही हैं जिसे बचाने की सख्त जरूरत है।

जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद ने कहा कि आठवीं कक्षा तक हरकिसी को उसकी मातृभाषा में पढ़ाई की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा में पढ़ने से बच्चों को उसे समझने में आसानी होती है। ऐसा करने से पिछड़ गए आदिवासी बच्चों को मुख्यधारा में लाना आसान होगा।

प्रो अहमद ने आदिवासियों का पारंपरिक ढोल बजा कर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

कार्यालय मिडिया कोआरडिनेटर

जेएमआई

font: krutidev 010

IVY L HANSDAK

TALAT AHMAD
Vice Chancellor, JMI

T. K. OOMEN

Reebok
EST.